शहर में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु बैठक हुई

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में दुर्ग जिले के अंदर वायु गुणवत्ता बेहतर हो इसके संबंध में भोपाल से आये पर्यावरण अधिकारी डॉ. वाय के शक्सेना द्वारा बैठक ली गई। इसमें आयुक्त नगर निगम भिलाई, दुर्ग, रिसाली एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी जामुल, उतई, कुम्हारी, आई.आई.टी विभाग के प्रोफेसर, परिवहन एवं पर्यावरण विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। नगरीय निकाय क्षेत्रो में वायु की गुणवत्ता शासन के मानक अनुसार कैसे सुधारी जाये, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होने बताया कि वायु गुणवत्ता खराब होने से स्वास्थ्य के उपर बहुत विपरित प्रभाव पड़ रहा है। विभिन्न प्रकार की बिमारियॉ वायु प्रदुषण के कारण हो रही है। हम केन्द्र सरकार द्वारा दिये दिशानिर्देशो के अनुसार कार्य करना होगा। प्रमुख रूप से इंड्रस्टियों से होने वाले प्रदुषण, गाड़ियो से निकलने वाले घुऍ, सड़क का डस्ट, सालिड वेस्ट, ध्वनि प्रदुषण आदि से वायु गुणवत्ता स्वास्थ्य मानक से कम हो रही है। जिसे रोकने के लिए हमे कड़ाई से पालन करना होगा। नगर निगम भिलाई द्वारा किये जा रहे वायु गुणवत्ता सुधार के लिए किये जा रहे उपायो का निरीक्षण करने मौके पर गये। निगम के वाहन शाखा जाकर रोड स्वीपिंग मशीन का निरीक्षण किये, उसके कमियों को बताये। डॉ. वाय के शक्सेना द्वारा स्वयं नीम, गुलमोहर, करंज वृक्ष लगाये गये। वायु गुणवत्ता मापक यंत्र का निरीक्षण करने छेत्रीय पर्यावरण कार्यालय 32 बंगले में किये। वहां पर गहनता से निरीक्षण किये संबंधित एजेंसी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत बनाये जा रहे रोड, सड़क पर किये गये प्लांटेशन आदि का निरीक्षण किये। डॉ. शक्सेना द्वारा बताया गया कि वायु प्रदुषण को रोकने के लिए अधिकतम पेड़ पौधे लगाया जाए, रोड के किनारे के धुल के कंन को रोकने के लिए पेवर ब्लाक लगाया जाए। फैक्ट्रीयो से होने वाले प्रदुषण को रोकने के लिए मापक यंत्र लगाया जाए। प्रदुषण फैलाने वाले इण्ड्रटी पर रोक लगाई जाए। सभी निकाय को वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए नियमो का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। पाईप पद्वति से लगाये गये वृक्षो का उन्होने सराहना की इससे पेड़ भी बड़े हो जायेगे, जानवर भी नहीं खाएगें। इस विधि के माध्यम से वृक्ष लगाने के लिए अन्य निकायों को भी प्रेरित करेगे।